जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

02 अक्टूबर, 2020

प्रेस विज्ञप्ति

गांधी जयंती के मौक़े पर जामिया में फ्रीडम रन, प्लांटेशन ड्राइव, फिल्म फेस्टिवल सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने महात्मा गांधी की 151 वीं जयंती मनाने के लिए आज कई आयोजन किए।

इन कार्यक्रमों के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन हुआ। इस आयोजन के मुख्य अतिथि, जामिया के रजिस्ट्रार श्री एपीएस सिद्दीकी (आईपीएस) ने विश्वविद्यालय के डॉ एम ए अंसारी सभागार की पार्किंग से इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर चीफ प्राक्टर और गेस्ट ऑफ खान, प्रो मेहताब आलम खान, डीएसडब्ल्यू और प्रो इक्तादार एम खान भी मौजूद थे। इन्होंने, कोविड -19 के मद्देनजर सोशल डिस्टन्सिंग मानदंडों को बनाए रखते हुए विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ इस दौड़ में भी हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय परिसर और आस-पास के क्षेत्रों का एक चक्कर लगाने के बाद विश्वविद्यालय के मुजीब बाग सामुदायिक केंद्र में फ्रीडम रन का समापन हुआ, जहां रजिस्ट्रार द्वारा एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। रजिस्ट्रार, डीएसडब्ल्यू, चीफ प्रॉक्टर, सुरक्षा सलाहकार के अलावा विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षकों और अधिकारियों ने भी वहां वृक्षारोपण किया।

समकालीन भारत में गांधी की प्रासंगिकता विषय पर, नेशनल एलायंस ऑफ़ पीपुल्स मूवमेंट्स (एनएपीएमड) के संयोजक श्री विमल भाई ने ज़ूम पर ऑनलाइन व्याख्यान दिया। इसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

गांधी जयंती के अवसर पर एक डिजिटल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई और प्रतिभागियों को अपने पोस्टर ऑनलाइन जमा करने के लिए कहा गया। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू, एनएसएस और एनसीसी इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए थे।

इस सिलसिले में जामिया ने गांधीवादी विचार और दर्शन पर तीन अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार भी पिछले एक महीने में आयोजित किए। इन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके, सियोल नेशनल यूनिवर्सिटी, दक्षिण कोरिया और कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, सैक्रामेंटो, यूएसए के साथ मिलकर

आयोजित किया गया। इसका मकसद, गांधीवादी विचारों को बुद्धिजीवियों के बीच प्रचारित-प्रसारित करना था।

महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए विश्वविद्यालय के एजेके-एमसीआरसी ने एक फिल्म महोत्सव की मेजबानी की, जहां 28 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2020 के बीच कई फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई और फिल्म निर्माताओं और फिल्म विद्वानों के लघु साक्षात्कार भी हुए। ये गतिविधियां विश्वविद्यालय के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर भी अपलोड की गईं:

https://www.youtube.com/channel/UCZOGZZ8jpsnBUffIL-47UZw

जामिया के साथ गांधी जी के संबंधों पर पर प्रकाश डालते हुए, कुलपति प्रो नजमा अखर ने कहा कि गांधी जी उन महान आत्माओं में से एक थे जिन्होंने जामिया की मुश्किलों के दौर में उसे कठिनाईयों से उबारने में मदद की। आर्थिक संकट की वजह से जब जामिया बंद होने के कगार पर था, गांधी जी ने कहा, 'मैं इसे बंद नहीं होने दूंगा, भले ही मुझे घर-घर जाकर भीख मांगना पड़े।'

कुलपति ने कहा, गांधी जी शायद 20 वीं सदी की दुनिया के अकेले ऐसे व्यक्ति हैं, जिसका गहरा असर जीवन के हर क्षेत्र - शिक्षा, राजनीति, धर्म, नैतिकता, सामाजिक संस्थाओं, व्यवसाय और वाणिज्य इत्यादि में साफ तौर पर दिखता है। वह सर्वभौम दृष्टिकोण वाले व्यक्ति थे और सविनय अवज्ञा और अहिंसक प्रतिरोध के सिद्धांत में विश्वास करते थे। वह आज भी साहस, न्याय, प्रेम और करुणा के प्रतीक बने हुए हैं।

जामिया वह सबसे महत्वपूर्ण संस्थान था जिसने गांधी जी की बेसिक शिक्षा के विचारों को लागू करके उसे बढ़ावा दिया। जामिया उनके जीवन, विचारों और दर्शन पर वेबिनार के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है। हाल ही में, विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित प्रमुख उर्दू साहित्यिक पत्रिकाओं में से एक, 'जामिया' ने गांधी जी पर उनकी 150 वीं जयंती मनाने के लिए एक विशेष अंक निकाला है। इसमें ओरीएंटल और अरब विद्वानों ने दुनिया भर में गांधी जी के विचारों और दर्शन की प्रासंगिकता को दर्शाया गया है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक